56	र्त्रशर्करावालुकापङ्कधूमतमः प्रभा ।	
57	मक्तिमःप्रभा चेत्यधा ज्या नर्कभूमयः ॥ १३६० ॥	
58	क्रमात्पृथुतराः सप्ता-	
59	य त्रिंशत्पचिंशतिः।	
60	पञ्चद्श दृश त्रीणि लन्नाणूनं च पञ्चिमः ॥ १३६१ ॥	
61	लवं पञ्चव नर्कावासाः सोमलकाद्यः ।	
62	श्तासु स्युः क्रमेणा-	
63	य पातालं वडवामुखम् ॥ १३६२ ॥	
64	बलिवेश्माधाभुवनं नागलाको रुसातलम् ।	
65	रन्धं बिलं निर्व्यायनं कुक्रं प्राषिरं प्राषिः ॥ १३६३ ॥	
66	n. a. a. a. a.	18
67	गर्तश्वभावरागाधर्रास्तु विवरे भुवः ॥ १३६८ ॥	
	॥ इत्याचार्यन्हेमचन्द्रविर्चितायामिभधानचित्तामणी नाममालाया	
	नर्ककाएडः पञ्चमः ॥	
68	स्याछोाको विष्टपं विश्वं भुवनं जगती जगत् ।	
69	त्रीवात्रीवाधार्वत्रं लाका	
70	उल्लोकस्ततो उन्यथा ॥ १३६५ ॥	
346	THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH	68
59-62. In der 1ten Abtheilung hausen 3,000,000 Höllenbewohner und an deren Spitze Simantaka; in der 2ten 2,500,000; in der 3ter		
1,500,000; in der 4ten 1,000,000; in der 5ten 300,000; in der 6ten		
00 00 to 1 - d - Trans - Co Cr DA A 1 C - 1 7		

59—62. In der 1ten Abtheilung hausen 3,000,000 Höllenbewohner und an deren Spitze Sîmantaka; in der 2ten 2,500,000; in der 3ten 1,500,000; in der 4ten 1,000,000; in der 5ten 300,000; in der 6ten 99,995; in der 7ten nur 5. — 63. 64. Pâtâla, Aufenthaltsort der Nâga's (6 W.). — 65. 66. Höhle (13 W.). — 67. Loch in der Erde (5 W.). — 68. Weltall (6 W.). — 69. Die materielle Welt. — 70. Die übersinnliche Welt.